

तैजसावर्तनी स्त्री. (तत्.) चांदी, सोने को गलाने की धरिया, मूषा।

तैजसी स्त्री. (तत्.) गजपिप्पली।

तैतिक्ष वि. (तत्.) सहनशील, धैर्यवान।

तैतिर पु. (तद्.) तीतर।

तैतिरीयारण्यक पु. (तत्.) यजुर्वेद की तैत्तिरीय शाखा का आरण्यक।

तैतिल पु. (तत्.) फलित ज्योतिष के अनुसार एक करण, जिसमें जन्म लेने वाला कलाकुशल, रूपवान, वक्ता, गुणी और सुशील होता है।

तैत्तिर पु. (तत्.) तीतर पक्षी, तीतरों का समूह।

तैत्तिरि पु. (तत्.) कृष्ण यजुर्वेद के प्रवर्तक एक ऋषि का नाम।

तैत्तिरीय स्त्री. (तत्.) 1. कृष्ण यजुर्वेद की छियासी शाखाओं में से एक 2. यजुर्वेद की शाखा का अनुयायी या अध्ययन करने वाला।

तैत्तिरीयक वि. (तत्.) दे. तैत्तिरीय।

तैनात वि. (अर.) काम पर नियुक्त या नियत।

तैनाती स्त्री. (अर.) किसी काम पर नियत या नियुक्ति की प्रक्रिया।

तैमिर पु. (तत्.) आँख का एक रोग जिसमें आँखों में धुँधलापन आ जाता है।

तैयार वि. (अर.) 1. जो बनकर बिल्कुल ठीक हो 2. जो पककर खाने योग्य हो प्रयो. ये केले अब बिल्कुल तैयार हैं 3. तत्पर, मुस्तैद प्रयो. फौज लड़ने के लिए बिल्कुल तैयार थी मुहा. गला तैयार होना- गला सधा हुआ और सुरीला होना; हाथ तैयार होना- बहुत कुशल हो जाना 4. मोटा-ताजा, सुडौल 5. पूर्ण, पूरा 6. आमादा, कटिबद्ध, जाने को तैयार।।

तैयारी स्त्री. (अर.) 1. तैयार होने की क्रिया या भाव 2. तत्परता, मुस्तैदी 3. धूमधाम प्रयो. बारात पूरी तैयारी के साथ निकली 4. सजावट प्रयो. वह घर से पूरी तैयारी से निकलती है।

तैरणी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की झाड़ी जिसका प्रयोग वैद्यक में किया जाता है।

तैरना अ.क्रि. (तद्.) 1. उतरना, पानी के ऊपर रहना 2. किसी का हाथ पैर मारकर पानी पर चलना।

तैराई स्त्री. (देश.) 1. तैरने की क्रिया या भाव 2. तैरने की मज़दूरी।

तैराक वि. (देश.) तैरने वाला पु. तैरने में कुशल।

तैराकी स्त्री. (देश.) तैरने की कला।

तैराना स.क्रि. (देश.) दूसरे को तैरने में लगाना, तैरने का काम कराना।

तैर्थ पु. (तत्.) तीर्थ में किया जाने वाला कृत्य।

तैर्थिक पु. (तत्.) 1. तीर्थ संबंधी 2. शास्त्रकार 3. तीर्थ स्थान का जल।

तैलंग पु. (तद्.) तेलुगु प्रदेश, आंध्र प्रदेश।

तैलंगी पु. (देश.) 1. तैलंग देशवासी 2. तैलंग देश-संबंधी।

तैल पु. (तत्.) तिल, सरसों आदि किसी तिलहन से निकाला हुआ तेल।

तैलक पु. (तत्.) थोड़ा तेल।

तैल यंत्र पु. (तत्.) कोल्हू, तेल निकालने का यंत्र।

तैलवाहक पोत पु. (तत्.) तेल ले जाने वाला जहाज।

तैलांबुका स्त्री. (तत्.) तिलचट्टा।

तैलाक्त वि. (तत्.) तेल युक्त, जिसमें तेल लगा हो।

तैलाख्य पु. (तत्.) तुरुष्क या शिलारस नामक गंध द्रव्य।

तैलागुरु पु. (तत्.) अगर की लकड़ी।

तैलाभ्यंग पु. (तत्.) तेल की मालिश, शरीर पर तेल मलने की क्रिया।

तैलिक वि. (तत्.) तेल संबंधी।